



न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
Nuclear Power Corporation Of India Limited

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन
ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
NUCLEAR POWER CORPORATION
OF INDIA LIMITED
(A Government of India Enterprise)

विक्रम साराभाई भवन,
मध्य मार्ग अणुशक्तिनगर,
मुंबई - 400 094.

Vikram Sarabhai Bhavan,
Central Avenue Road,
Anushaktinagar,
Mumbai - 400 094



दूरभाष / Phone : +91-22-2599 1215
सीधा / Direct : +91-22-2555 8490
फैक्स / Fax : +91-22- 2599 1218
ई-मेल / E-mail : bvssekhar@npcil.co.in

बी.वी.एस. शेखर

उत्कृष्ट वैज्ञानिक
अधिकासी निदेशक (सीपी एवं सीसी)
एवं अपीलीय प्राधिकारी
B.V.S. SEKHAR
Outstanding Scientist
Executive Director (CP & CC)
& Appellate Authority

प्रेस विज्ञप्ति
Press Release

जुलाई 29, 2024
July 29, 2024

नवीकरण व आधुनिकीकरण के पश्चात रापबिघ-3 से पुनः विद्युत उत्पादन प्रारंभ RAPS-3 comes back online after Renovation & Modernisation

राजस्थान परमाणु बिजलीघर की इकाई-3 (रापबिघ 3 – 220 मेगावाट) में संरक्षा संवर्धन एवं प्रचालन अवधि में लगभग 30 वर्षों का विस्तार करते हुए महत्वपूर्ण नवीकरण एवं आधुनिकीकरण (आर एवं एम) कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात 24 जुलाई, 2024 को ग्रिड से जोड़ा गया। इकाई में नवीकरण व आधुनिकीकरण के दौरान सामूहिक शीतलक चैनल प्रतिस्थापन (ईएमसीसीआर), सामूहिक फीडर प्रतिस्थापन (ईएमएफआर) एवं अन्य उन्नयन कार्य किए गए।

Unit-3 of Rajasthan Atomic Power Station (RAPS 3 - 220 MW) was connected to the grid on July 24, 2024 after successfully undergoing major Renovation and Modernisation (R&M) with enhanced safety and extended life of about 30 years. The unit underwent Enmasse Coolant Channel Replacement (EMCCR), Enmasse Feeder Replacement (EMFR) and other upgrades during the R&M.

ये गतिविधियां, दाबित भारी पानी रिएक्टरों के कोर में, स्वदेशी रूप से विकसित सुस्पष्ट प्रौद्योगिकियों का सुदूर प्रयोग कर पूर्ण की गई। एनपीसीआईएल ने साल दर साल, सुदूर रूप से प्रचालन किए जाने वाले परिष्कृत उपस्करों का प्रयोग कर आंतरिक कोर के कार्यों के निष्पादन में परिपक्वता हासिल की है। संपूर्ण कार्य को उच्चतम संरक्षा, कार्मिकों को बिना किसी अवांछित उद्बासन के साथ निष्पादित किया गया।


These activities are carried out in the core of the Pressurised Heavy Water Reactors, remotely using precision technologies developed indigenously. NPCIL has over the years attained maturity in carrying out in-core jobs using sophisticated remotely operated tools. The entire job was carried out with utmost safety, with no undue exposure of personnel.

रापबिघ-3 ने जून, 2000 में वाणिज्यिक प्रचालन आरंभ किया था और जब 27 अक्टूबर, 2022 को नवीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्य आरंभ किए गए तब तक इसने 22 वर्षों से अधिक का प्रचालन पूर्ण कर लिया था। इस इकाई में नवीकरण व आधुनिकीकरण की गतिविधियां उन समस्त भारतीय रिएक्टरों की तुलना में न्यूनतम समय में पूर्ण की गईं, जिनमें समान प्रकार की गतिविधियां आरंभ की गई थीं।

RAPS-3 had commenced commercial operation in June 2000 and had completed over 22 years of operation when it was taken up for R&M on October 27, 2022. The R&M activities in this unit were completed in the shortest time among Indian reactors where similar activities were taken up.

परियोजना के आरंभ के पश्चात कुछ निश्चित मुख्य अवयवों की कीमतों में वृद्धि के बावजूद कार्यों को बजट के अंदर पूर्ण किया गया। इस इकाई की नवीकरण एवं आधुनिकीकरण में खर्च हुई लागत (प्रति मेगावाट आधार पर) अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर दाबित भारी पानी रिएक्टरों में लगने वाली लागत से काफी कम है। इस प्रकार भारत ने ऐसे आंतरिक कोर कार्यों को बहुत प्रतिस्पर्धी दर पर सफलता व सुस्पष्टता से करने में वैश्विक बढ़त हासिल कर ली है और संभवतः इन सेवाओं का निर्यात कर सकता है।

The jobs were completed within budget despite increase in prices of certain key components after start of the project. The cost incurred in R&M of this unit (on per MW basis) is much lower than that incurred internationally in PHWRs. India thus has an edge globally in carrying out such in-core jobs safely and precisely at a very competitive cost and can potentially export these services.


(बी. वी. एस. शेखर)
(B.V.S.Sekhar)